# नई बींदणी | By Sheetal Pandey

नई बींदणी आज बण्यो छै बाबो तेरो खाटू
नाचू गाऊं खुशी मनाऊं और मिठाई बांटू
बाबा श्याम की हो बाबा श्याम की

छटा देख मंदिर की बाबा मन में हुई तसल्ली
शीश धरा फूलां के ऊपर सूरत एक इकल्ली
दर्शन करके मौज हो गई दिन मस्ती में काटू
बाबा श्याम की हो बाबा श्याम की

श्याम धणी की इस कलयुग में महिमा बड़ी निराली
करे बहारां घर आँगन में रोज़ ही मने दिवाली
आशीर्वाद मिला खुशियों का चौखट तेरी छाँटू
बाबा श्याम की हो बाबा श्याम की

एक झलक तेरे दर्शन की बदले जीवन सारा
अन्न धन से भरपूर करे तू करदे सब पौबारा
बार बार दर्शन की आवे मुश्किल सु मैं डाँटू
बाबा श्याम की हो बाबा श्याम की

खाटू में रेहमत बरसे है शीश के दानी श्याम की
गूँज रही कलयुग में महिमा खाटू पावन धाम की
याद करे ये अर्ज़ बता मैं दर्शन सु क्यों नाटू
बाबा श्याम की हो बाबा श्याम की

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%88-%e0%a4%ac%e0%a5%80%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%a3%e0%a5%80-by-sheetal-pandey/